

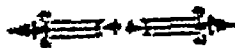
जैनधर्म और विधवा-विवाह

(दूसरा भाग)



लेखक—

श्रीधर "सव्यसाची"



प्रकाशक—

मंत्री जैन बालविधवा-सहायक सभा

दरगाहा कलाँ, देहली



मुद्रक—

"चेतन्य" प्रिन्टिङ्ग प्रेस.

विजनाँर (य०पी०)

प्रथमवार

१०००

मन १९३१ ई०

मूल्य

१०